नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का मासिक मुखपत्र

दिसम्बर, 2024 अंक 317

अध्यक्षीय कार्यालय :
SARITA DAGA
45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar,Jaipur-302017
Mob.: 9413339841
Email: president@abtmm.org

अध्यक्षीय आह्वान

प्रिय बहिनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

वर्ष का अंतिम माह दिसम्बर माह। ज्ञान और बोधि से स्वयं के आत्मावलोकन का माह है। बीते वर्ष में लौकिक एवं लोकोत्तर दोनों दृष्टियों से वर्षभर में हमने क्या पाया, क्या खोया, उसके विश्लेषण का अवसर। चातुर्मास की समाप्ति के बाद चारित्रात्माओं के विहार, सर्द ऋतु का आगमन और नववर्ष के शुभागमन की तैयारियाँ। वेश और परिवेश दोनों में कुछ परिवर्तन परिलक्षित होता है और यह स्वाभाविक भी है। आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो हम सबने अपने जीवन में वास्तविक खुशियाँ प्राप्त करने का लक्ष्य तो बनाया ही होगा वहीं वर्ष के इस अंतिम माह में भौतिक दृष्टि से भी तुलनात्मक बैलेंसशीट बनाई होगी। दोनों पथ हमारे सामने है पर अनन्त खुशियाँ तो स्वयं की आत्मा को पवित्र बनाकर ही प्राप्त हो सकती है।

बहिनों! वर्तमान युग विज्ञान का युग है, पर अध्यात्म के महत्व को भी कम नहीं आंका जा सकता। अध्यात्म और लोक-व्यवहार दो भिन्न-भिन्न मार्ग है। लोक-व्यवहार का सम्बन्ध संसार से है और अध्यात्म का सम्बन्ध मोक्ष से है। विज्ञान कहता है जैसा चाहो वैसा बनो। जो कुछ तुम बनना चाहते हो, पहले उसका लक्ष्य बनाओ और संकल्प करो फिर उसमें तन्मय बन जाओ। अध्यात्म भी यही कहता है। गुरुदेव तुलसी ने एक पद्य में कहा है- 'प्रभु बन कर के ही हम प्रभु की पूजा कर सकते है।' यदि हम भगवान की पूजा करना चाहते है तो पहले हम अपने आप को प्रभु पूजा का पात्र बनाये। स्वयं को प्रभु में लीन करे, भगवान और हमारे बीच जो राग-द्वेष की दीवार खड़ी है, उसे हटाएं। मन कहीं घूमता रहे और केवल धूप, दीप, जप आदि चलता रहे, यह सही अर्थ में प्रभु की पूजा नहीं हो सकती। प्रभु की पूजा यानि अपनी आत्मा को पवित्रता के साथ जोड़ना। जीवन में आंतरिक खुशियाँ सुख-शांति और समृद्धि स्वयं के आत्मतोष से ही प्राप्त हो सकती है। स्वयं के मन को संयम के साथ जोड़कर ही हम आनन्द की प्राप्ति कर सकते है। कवि की ये पंक्तियाँ मन की दशा को उद्घाटित करती है कि-

'मन लोभी, मन लालची, मन चंचल, मन चोर।
मन के मतै न चालिए, पलक-पलक मन और॥'

मन हर समय घूमता रहता है। क्षण भर में ब्रह्माण्ड का परिभ्रमण कर लेता है। आवश्यकता है हम मन रूपी घोड़े को संयमरूपी लगाम से साधे और अन्तर्मन को खुशियों से आप्लावित करे। अति महत्वाकांक्षा से बचें और इच्छाओं का सीमाकरण करे। अध्यात्म की धूरी हमें यही सम्बोध देती है। बहिनों, नववर्ष के आगमन की तैयारियों में हम जीवन को संतुलित, संयमित बनाने का लक्ष्य बनाये और वास्तविक शांति का अनुभव करते हुए आनन्द की अनुभूति करे। नववर्ष हम सबके लिए अध्यात्म एवं भौतिक दृष्टि से 'श्री सम्पन्नता' की सौगात लेकर आए और हम सब घर, परिवार, समाज एवं राष्ट्र के सुखद निर्माण में सहभागी बनते हुए प्रगति का आरोहण करे। पग-पग पर मंगल की कामना के साथ-

शुभाकांक्षी
Sarita Daga
सरिता डागा

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

POWERHOUSE

रोज की एक सलाह

कार्य की दृष्टि से व्यस्त रहना अच्छा है, पर व्यस्तता हमारे दिमाग में नहीं होनी चाहिए।

समय-नियोजन व्यवस्थित जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। दिनचर्या को निर्धारित रखो, काम अच्छा करो। 'समय पर काम करो' इस सूत्र को अजमाकर देखो कि दिन कितना व्यवस्थित बीतता है?

-आचार्य महाश्रमण (रोज की 1 सलाह से साभार)

प्रेक्षा ध्यान कल्याण वर्ष के अंतर्गत अभातेममं. द्वारा आयोजित Zoom Meeting प्रेक्षा प्रवाह शक्ति एवं शांति की ओर

प्रेक्षा ध्यान कल्याण वर्ष के उपलक्ष में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में **Zoom** पर ऑनलाइन पाँच दिवसीय प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन 21 नवम्बर, 2024 से लेकर 25 नवम्बर, 2024 तक किया गया। ज्ञातव्य है कि इन कार्यशालाओं की प्रतिमाह आयोजित होने वाली सीरीज के अंतर्गत यह द्वितीय कार्यशाला थी जिसमें 200 से भी अधिक बहिनें प्रतिदिन जूम एवं यूट्यूब लाइव पर जुड़ी। बहिनों ने पूरी तन्मयता, एकाग्रता और नियमितता के साथ कार्यशाला का लाभ उठाया जो इस बात का प्रमाण है कि प्रेक्षा ध्यान वर्तमान युग में सबसे बड़ा समाधान है। यही वजह है कि प्रेक्षा ध्यान के प्रति लोगों का रुझान बढ़ता ही जा रहा है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्रीमती सरिता डागा** ने विशाल स्तर पर आयोजित होने जा रही प्रेक्षा ध्यान कार्यशालाओं के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बहिनें परिवार की केन्द्र बिंदु है, उनके सम्पूर्ण स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इन कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि गुरुदेव द्वारा इंगित पक्षा कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इन कार्यशालाओं का ज्यादा से ज्यादा बहिनें लाभ उठाएं तभी सभी के सम्मिलित प्रयास सार्थक हो पाएंगे।

* प्रथम दिन समताल श्वास प्रेक्षा का प्रयोग प्रशिक्षक मुम्बई से अभातेममं. कोषाध्यक्ष **श्रीमती तरुणा बोहरा** ने करवाया एवं बाकी चार दिन रिकॉर्ड ऑडियो द्वारा प्रयोग करवाया गया।
* कार्यशाला के विषय- **कैसे करे ध्यान?** पर बहिनों को कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रायोगिक एवं विषय से संबंधित विवेचनात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया जो बहुत ही प्रभावी रहे।
* इसी क्रम में दीर्घ श्वास प्रेक्षा का प्रयोग प्रतिदिन प्रशिक्षक बंगलूरू से **श्रीमती वीणा बैद** ने करवाया और अंतिम दिन यह प्रयोग **आचार्यश्री महाप्रज्ञ** की आवाज में रिकॉर्ड ऑडियो द्वारा करवाया गया।
* लिखित (**Theory**) पाठ के अंतग्रत प्रेक्षाचर्या के सूत्र प्रेक्षा ध्यान का इतिहास अर्थ और दर्शन पर महत्वपूर्ण जानकारी वरिष्ठ प्रशिक्षक इंदौर से **श्री राजेन्द्र मोदी** ने प्रदान की।
* श्वास प्रेक्षा का वैज्ञानिक आधार एवं लाभ तथा ज्योति केन्द्र पर रोचक प्रशिक्षण सूरत से प्रशिक्षक **श्रीमती रेणु बैद** ने दिया।
* श्वास प्रेक्षा का आध्यात्मिक आधार एवं लाभ विषय को कोलकाता से प्रशिक्षक **श्रीमती मंजू सिपानी** ने सरलता के साथ समझाया।
* जिज्ञासा समाधान के सत्र भी रखे गए, जिसमें बहिनों ने बड़ी जागरूकता के साथ प्रश्न उत्तरों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया।

कार्यक्रम की राष्ट्रीय संयोजिका **श्रीमती वीणा बैद** ने प्रतिमाह होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं प्रेक्षा फाउंडेशन की विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। **निल्पाजी पारीक** ने निरंतर ध्यान साधना के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई तथा अंतिम दिवस पर ट्रस्टी **श्रीमती कनक बरमेचा** ने कार्यशाला की सफलता पर बधाई देते हुए प्रेक्षा ध्यान को अपने जीवन में नियमित स्थान देने की प्रेरणा प्रदान की तथा इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए गुरुदेव के प्रति तहे दिल से कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यशाला का पाँचों दिन संचालन चैन्नई से अभातेममं. कार्यकारिणी सदस्य **श्रीमती दीपा पारख** ने किया।

तेरापंथ महिला मंडल
उड़ान (सुनहरा भविष्य)
एक कदम स्वावलम्बन की ओर...
त्रैमासिक प्रशिक्षण कार्यशाला

जीवन बगिया, खिलती फुलवारी, सह सिंचन से पुष्पित क्यारी,
नर-नारी रथ की धुरी, इक-दूजे के बिन अधूरी,
नर जिम्मेदारी में नारी, निभाती भागीदारी,
स्वावलंबी बन अब उबरी, सुनहरे भविष्य की उड़ान भरी॥

प्रशिक्षण के अंतर्गत-

* यह प्रशिक्षण कार्शाला आप अपनी बहिनों के बीच अथवा किसी भी अनाथ आश्रम, महिला आश्रम में भी आयोजित कर सकते है।
* यह प्रशिक्षण कार्यशाला प्रत्येक माह में कोई भी चार दिन लगातार तीन महीने तक करनी है।
* प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शाखा मंडल अपने क्षेत्र की स्थिति और अपेक्षा अनुसार महिलाओं के स्वावलंबन हेतु निम्न तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं-
  * एम्ब्रॉयडरी (कढ़ाई) प्रशिक्षण,
  * मेहंदी प्रशिक्षण,
  * आर्ट एण्ड क्राफ्ट के अंतर्गत पैकिंग, आर्टिफिशियल फ्लॉवर मैकिंग, क्यूलिंक आदि,
  * केंडल मैकिंग,
  * बेकिंग,
  * हस्त निर्मित प्राकृतिक सौंदर्य प्रसाधन,
  * ग्राफिक डिजाइन,
  * वैकल्पिक कुकिंग आदि।
* किसी विशेषज्ञ से इन विषयों पर प्रशिक्षण दिलवाएं। यथासंभव इन विषयों में किसी एक या दो विषय पर पूर्ण प्रशिक्षण दिलाने का प्रयास हो।
* उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अपेक्षा अनुसार योग्य और जरूरतमंद महिला को स्वावलंबी बनाने हेतु कढ़ाई मशीन, बेकिंग करने के लिए ओटीजी मशीन, पैकिंग आदि का सामान उपलब्ध करवा सकते है।

अधिक जानकारी के लिए संयोजिका
श्रीमती नीरू पुगलिया, मो.: 9414852701 से सम्पर्क करे।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

आध्यात्मिक प्रवृत्ति

महाश्रमण अष्ठकम कंठस्थ :

परम आराध्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के दीक्षा पर्याय के 50 वर्षों की परिसम्पन्नता को हम सबने 'दीक्षा कल्याण महोत्सव' के रूप में मनाया। अब हम सब लक्ष्य बनाये महाश्रमण अष्ठकम को कंठस्थ करने का। गुरुदेव की अभिवंदना के साथ-साथ स्वाध्याय एवं गुरु महिमा की दृष्टि से भी यह हम सबके लिए उपयोगी होगा। सभी शाखा मंडल अपने-अपने क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर 'महाश्रमण अष्ठकम्' अधिकाधिक संख्या में कंठस्थ करने का लक्ष्य रखे।

तेरापंथ कन्या मंडल : करणीय कार्य
दिसम्बर माह : करणीय कार्य

Play & Platter Carnival

सर्दी की ठंडी ऋतु में, लेकर खुशियों को साथ में।
हम बुलाते हैं आप सभी को, एक प्यारे-से महोत्सव में॥

एक दिवसीय खुशियों का मेला :

आयोजन दिवस : 22 दिसम्बर, 2024

स्नेहिल कन्याओं,
सादर जय जिनेन्द्र!

आप सभी तेरापंथ कन्या मंडल- हो जाइए तैयार, हम आपको आमंत्रित करते हैं दिसम्बर माह में उत्सव कार्यशाला में भाग लेने के लिए। जी हाँ, 2024 वर्ष की उपलब्धि पूर्ण परिसम्पन्नता एवं 2025 वर्ष के उष्मामय स्वागत के लिए आपको आयोजित करना है- **Play & Platter Carnival**

इस कार्यक्रम में सहभागी होंगे- पुस्तक स्टॉल, खाद्य स्टॉल (**Jain Food**), परिवार के अनुकूल ज्ञानवर्द्धक खेल और आपका यह प्रयास देगा सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा और संग होगा जैन मूल्यों का जश्न। हम प्रत्येक कन्या मंडल को अपने स्टॉल और गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

विशेष :

* कार्यक्रम का आयोजन सुविधानुसार कर सकते हैं- जैसे बगीचा, अपार्टमेंट ग्राउण्ड, कम्युनिटी हॉल अथवा सुविधानुसार।
* कार्यक्रम की आयोजना आपकी अपनी रचनात्मकता एवं आकर्षक शैली में हो।
* कार्यक्रम में तेरापंथ समाज के साथ-साथ अन्य समाज के व्यक्तियों को मनुहारपूर्वक आमंत्रित किया जाए, जिससे स्नेह सूत्र मजबूत बने।
* **Carnival** में प्रवेश हेतु **Entry Fees** रख सकते हैं (**Game** आदि खिलाने के लिए शुल्क न लिया जाए)। हाउजी (**Housie**) और तंबोला (**Tambola**) जैसे **Game** नहीं खिलाए जाएं।
* सभी प्रकार के स्टॉल केवल तेरापंथ कन्याएं ही लगाएं एवं कन्याएं कन्यामंडल के गणवेश में ही सुसज्जित हो।

And of course don't forget to

* **Share Photos (max 7photos) & Videos (as many as u can) in the group.**
* **Also upload a reel regarding this December activity on Instagram*tag@abtkm.**

तो आइए हम सब मिलकर आनन्ददायक और सार्थक जश्न मनाएं।

खेलेंगे और मुस्कुराएंगे, खाएंगे चटपटे व्यंजन।
नए सपनों को सजाएंगे, साथ में होंगे सब परिजन॥
आओ इस जश्न में रंग भरे, साल को अलविदा कहकर
नए साल का स्वागत करें।

संयोजिका- हर्षा डागा, 7667554324

भीलवाड़ा में चारित्रात्माओं के दर्शन सेवा का लिया लाभ

27 नवम्बर, 2024, भीलवाड़ा।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा अपनी टीम के साथ भीलवाड़ा में विराजित साध्वीश्री कीर्तिलताजी ठाणा-4 के दर्शनार्थ तेरापंथ भवन, बापूनगर पहुँची। इस अवसर पर साध्वीश्री कीर्तिलताजी ने उद्‌बोधन में फरमाया कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल बहिनों को आध्यात्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहने का बहुत ही नियोजित ढंग से सफल प्रयास कर रही है। बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु संस्कारशाला जैसे कार्यक्रम पर अच्छे वातावरण को तैयार कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में कहा कि केन्द्र द्वारा दिए गए सभी कार्यों को भीलवाड़ा मंडल भी बहुत ही अच्छे ढंग से, अपने श्रम का नियोजन कर संपादित करता है। भविष्य में अधिक से अधिक बहिनों को आध्यात्मिक गतिविधियों सो जोड़ने का प्रयास करे। इस अवसर पर चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, संरक्षिका श्रीमती सायर बैंगानी, ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी एवं रा.का.स. श्रीमती कुमुद कच्छारा, श्रीमती मधु देरासरिया, श्रीमती शिल्पा बैद, श्रीमती मंजू भूतोड़िया, श्रीमती अलका बैद, श्रीमती नीरू पुगलिया, श्रीमती उषा सिसोदिया, श्रीमती मनाली चौरड़िया की गरिमामय उपस्थिति रही। भीलवाड़ा तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मैना कांठेड ने सभी का स्वागत एवं श्रीमती अमिता बाबेल ने आभार व्यक्त किया।

जैन स्कॉलर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत 'जैन स्कॉलर परियोजना' के चतुर्थ बैच के छठे सत्र का आयोजन 4 से 11 नवम्बर, 2024 तक रोहिणी, जैन विश्व भारती, लाडनूं में आयोजित हुआ। प्रथम दो दिन पूर्व में पढ़ाये गये अध्ययन की परीक्षा और बाद में आगे के सत्र के लिए अध्ययन करवाया गया। इसमें कर्म मीमांसा का प्रशिक्षण निर्देशिका डॉ. मंजु नाहटा, श्री विकास गर्ग, संस्कृत साध्वी श्री स्वस्तिक प्रभाजी, श्रीमती सुषमा आंचलिया और श्री कमलेश रांका, प्राकृत समणी संगीत प्रज्ञाजी और श्री राजू दूगड़ और जैन भूगोल का प्रशिक्षण श्रीमती रंजना गोठी के द्वारा करवाया गया। 17 स्कॉलर यहाँ पर उपस्थित हुए और परीक्षा सम्पन्न होने के बाद अगले सत्र के लिए बड़े ही मनोयोग से अध्ययन किया। सह निर्देशिका श्रीमती कनक बरमेचा, संयोजिका श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा और सह संयोजिका श्रीमती विनिता बैंगाणी के द्वारा सभी व्यवस्थाएं कुशलतापूर्वक सम्पन्न की गई।

शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी द्वारा सभी स्कॉलर्स को आगे भी इस ज्ञान यात्रा को जारी रखने के विभिन्न तरीके बताए गए। मुनिश्री रंजीत कुमार जी, मुनिश्री जयकुमारजी और समणी श्री कुसुम प्रज्ञाजी ने स्कॉलर्स को उपयोगी बने रहने की प्रेरणा दी। सभी साधु-साध्वियों के सेवा दर्शन का लाभ प्राप्त हुआ।

जैन स्कॉलर योजना के पाँचवें बैच का शुभारम्भ

जैन स्कॉलर के नए बैच का प्रारम्भ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के द्वारा आचार्य श्री तुलसी शिक्षा परियोजना के तहत संचालित जैन स्कॉलर योजना के पाँचवें बैच का शुभारम्भ मार्च, 2025 माह में किया जा रहा है। इच्छुक भाई-बहिन 31 जनवरी, 2025 तक अपना नाम सह निर्देशिका श्रीमती कनक बरमेचा को लिखा सकते है। 31 जनवरी, 2025 के पश्चात नाम नहीं लिए जाएंगे। जैन स्कॉलर के लिए अर्हताओं का विवरण यहाँ दिया जा रहा है। प्रवेश फार्म महिला मंडल की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा, जिसे भरकर सत्र प्रारम्भ के समय लाडनूं लेकर आना है।

जैन स्कॉलर त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष (प्रथम सत्र) :

1. संस्कृत
2. प्राकृत
3. जैन दर्शन (द्रव्य मीमांसा)
4. कर्म मीमांसा (भाग 1-2)

प्रथम वर्ष (द्वितीय सत्र) :

1. संस्कृत
2. प्राकृत
3. जैन दर्शन (ज्ञान मीमांसा)
4. कर्म मीमांसा

द्वितीय वर्ष (तृतीय सत्र) :

1. संस्कृत
2. प्राकृत
3. भारतीय दर्शन (षड् दर्शन)
4. कर्म मीमांसा

द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सत्र) :

1. संस्कृत
2. प्राकृत
3. षड् दर्शन
4. कर्म मीमांसा

तृतीय वर्ष (पंचम सत्र) :

1. संस्कृत
2. प्राकृत
3. प्रमाण मीमांसा
4. कर्म मीमांसा

तृतीय वर्ष (षष्टम सत्र) :

1. संस्कृत
2. प्राकृत
3. जैन भूगोल
4. कर्म मीमांसा

Additional Workshop संस्कृत संभाषण

ब्राह्मी लिपि (प्राच्य लिपि) प्रशिक्षण

Advance जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम (त्रिवर्षीय)

Research Project (based on Darshan)

Advance Sanskrit

Advance Prakrit

जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अर्हताएं :

1. जो बहिन/भाई तत्त्वज्ञान प्रचेता के छः वर्षीय पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण कर चुके हैं या छठे वर्ष में हैं।

अथवा

2. जो बहिन/भाई जैनोलॉजी (जैन विश्व भारती द्वारा लागू किया गया डिग्री पाठ्यक्रम) में बी.ए. या एम.ए. कर चुके हैं या कर रहे हैं।

अथवा

3. जो बहिन/भाई जैन विद्या के नौवें भाग को उत्तीर्ण कर चुके हैं या कर रहे हैं।

अथवा

4. जिन बहिन/भाईयों की वक्तृत्व क्षमता अच्छी है तथा जिन्हें तत्त्वज्ञान की अच्छी जानकारी है तथा अध्ययन पिपासु हैं वे बहिन/भाई भी आमंत्रित है।
5. उम्र सीमा नहीं है।
6. प्रतिवर्ष 7 दिवसीय 2 शिविर (कार्यशाला) लाडनूं, जैन विश्व भारती में आयोजित होंगे।
7. जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम में प्रवेश से पहले एक सामान्य प्रवेश परीक्षा ली जाएगी। जिसमें आपके वक्तृत्व कौशल, शुद्ध लेखन एवं प्रारंभिक ज्ञान की परीक्षा ली जाएगी।
8. ऑनलाइन अध्ययन यथासंभव कराया जाएगा।

ध्यानार्थ : नये बैच के शुभारंभ की संभावित तिथि 19 मार्च, 2025 से 26 मार्च, 2025 है। कार्यशाला- 'रोहिणी', जैन विश्व भारती, लाडनूं में होगी।

9. विशेष जानकारी के लिए निदेशिका डॉ. श्रीमती मंजू नाहटा एवं सहनिदेशिका श्रीमती कनक बरमेचा से सम्पर्क कर सकते हैं।

श्रीमती मंजू नाहटा, मो.: 9433028281, श्रीमती कनक बरमेचा, मो.: 9328072984.

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा

अभातेममं के तत्वावधान में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन परीक्षाओं का आयोजन दिनांक 18 व 21 दिसम्बर, 2024 को होगा। अपने क्षेत्र में विराजित परीक्षार्थी चारित्रात्माओं की परीक्षा का वर्ष और जिस क्षेत्र में परीक्षा देंगे, वहाँ का पता, फोन नंबर और ई-मेल एड्रेस राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगाणी को अवश्य भेज दें। पुस्तकों के लिए लाडनूं कार्यालय से सम्पर्क करें मो.: 7733888138.

श्रीमती कुसुम बैंगाणी, 233, वीर अपार्टमेंट, सेक्टर 13, रोहिणी, दिल्ली-110085, मो.: 8010139367.

संरक्षणम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, चैन्नई द्वारा तमिलनाडु स्तरीय 'संरक्षणम्' कार्यशाला का आयोजन

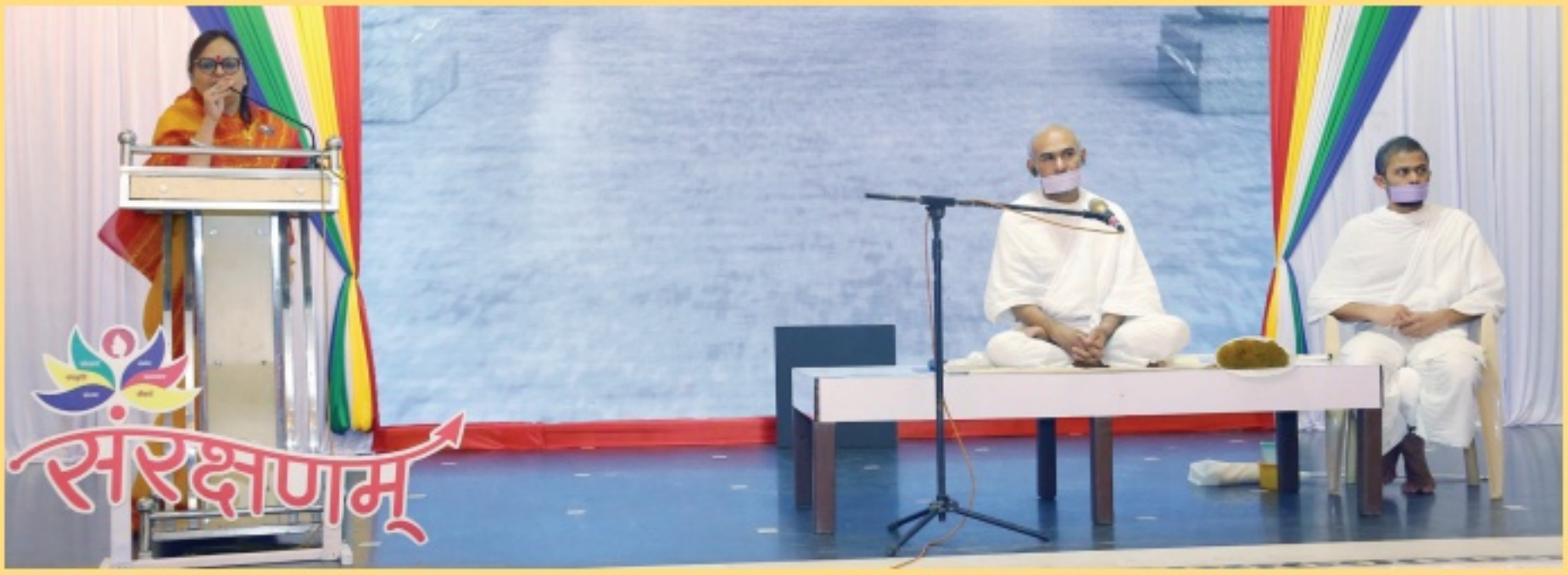

5 नवम्बर, 2024, चैन्नई।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित चैन्नई तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री हिमांशु कुमार जी ठाणा 2 एवं साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्रीजी ठाणा 4 के सान्निध्य में तमिलनाडु स्तरीय 'संरक्षणम्' कार्यशाला का आयोजन अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनिश्री हिमांशु कुमारजी के नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ, तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने 'संरक्षणम्' लोगो (Logo) का अनावरण किया। तेमम चैन्नई की बहिनों ने मधुर स्वर लहरी से मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। साध्वीप्रमुखा श्रीजी के संदेश का वाचन रा.का.स. श्रीमती शशिकला नाहर ने किया। तेमम चैन्नई अध्यक्ष श्रीमती लता पारख ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा एवं राष्ट्रीय टीम के साथ सभी भाई-बहिनों का स्वागत-अभिनन्दन करते हुए मुनिश्री हिमांशु कुमारजी ठाणा-2 एवं साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्रीजी ठाणा-4 के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि आपके मार्गदर्शन और आशीर्वाद से संरक्षणम् कार्यशाला का भव्य आयोजन चैन्नई की धरा पर हो सका।

इस अवसर पर मुनिश्री हिमांशु कुमारजी ने फरमाया कि समूह के रूप में जो स्वीकार की जाती है उसे संस्कृति कहा जाता है और जो व्यक्ति के द्वारा स्वीकार किया जाता है वो संस्कार होते है। सैनिक देश की रक्षा करता है, बेटा परिवार की रक्षा करता है। ये हमारे संस्कार एवं संस्कृति है। आज आधुनिकता के चक्कर में हम हमारी संस्कृति और संस्कारों से दूर हो रहे है पर हमें संस्कारों के साथ जीवन को जीना है। खानपान में सुधार जरूरी है। सात्विक भोजन करना, रात्रि भोजन का त्याग रखना है, तभी हम स्वस्थ रह पाएंगे। हमें प्रदर्शन, फैशन, व्यसन, अशन से दूर रहना है। मुनिश्री हेमंत कुमारजी ने फरमाया कि बहुत सारे संस्कार एक साथ मिल जाते है तो संस्कृति का रूप ले लेते है। नारी को हमेशा सम्मान मिलना चाहिए। भारतीय संस्कृति अन्य देशों से अलग है। हमारी बहिनें आगे बढ़ रही है पर साथ में धर्म से भी जुड़कर रहना है, तभी हमारी संस्कृति से हम जुड़े रहेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें संस्कारों की जड़ से जुड़कर रहना है तभी हम अपनी संस्कृति की रक्षा कर पाएंगे। हमारा मूल लक्ष्य है संवर्धन यानि हमें अपना विकास करते रहना है। गुरु इंगित शनिवार की सामायिक आज हम करेंगे तो हमारे बच्चे भी करेंगे। आज की युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़कर रखना बहुत जरूरी है तभी वो अपनी संस्कृति से जुड़कर रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने चैन्नई महिला मंडल को संरक्षणम् कार्यशाला की सुंदर आयोजना के लिए बधाई दी। राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा ने कहा कि संस्कार हमें अपनी धरोहर से जोड़कर रखता है। इसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। मुख्य वक्ता पूर्व महामंत्री श्रीमती वीणा बैद ने अपने ओजस्वी वक्तव्य से प्रेरणा देते हुए कहा कि

संस्कारों और संस्कृति में क्या फर्क है। बोलना-चालना सब संस्कारों में आता है। हर एक का कल्चर अलग-अलग होता है पर हमें अपनी संस्कृति पर गौरव होना चाहिए। नारी घर-परिवार के साथ इस मंच को भी संभालती है। समाज में समय देती है पर यह बात पुरुष वर्ग बोले या गुरु बोले तो हमें खुशी होती है। संस्कार और संस्कृति की रक्षा हम नहीं करते हैं वो हमारी रक्षा करते है। जब हम उनसे जुड़कर रहते है। आपने आगे कहा कि आजकल सुनते हैं युवा पीढ़ी भटक रही है। मैं तो कहूंगी कि आज हम भटक रहे है। यदि हम शुरू से बच्चों को अपने संस्कार सिखाते है, उनको समय देते है, उनकी बातों को सुनते है तो युवा पीढ़ी अवश्य हमारे साथ जुड़कर रहेगी। बड़े-बड़े लोगों की जीवनी पढ़ेंगे तो हमारा जीवन अवश्य बदल जाएगा। पावर आने पर कभी अहंकार नहीं करना, हमें अपनी संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। मुख्य अतिथि इनकम टैक्स ऑफिसर **श्रीमती कोमल** ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी।

साध्वीश्री गवेषणा श्रीजी ने फरमाया कि पाश्चात्य संस्कृति सिखाती है खाओ-पिओ मौज करो और होटल में रहो, पर भारतीय संस्कृति सिखाती है- जिओ तो ऐसे जिओ, शांति से मर सके और मरे तो ऐसे मरे कि मरने के बाद भी लोग याद करे। ब्राण्डेड कपड़े पहनकर अपनी पहचान तो कुछ समय तक रहेगी पर अपने व्यवहार से बनाई पहचान आजीवन रहेगी, इसलिए हमें बच्चों को और परिवार के हर सदस्यों को संस्कारों से जोड़कर रखना है तभी वो अपनी संस्कृति से जुड़े रहेंगे। **साध्वीश्री दक्षप्रभाजी** ने बहुत ही सुंदर गीतिका 'नये सर्जन के गीतों से विकसित हो जीवन की फुलवारी' का संगान किया। चैन्नई तेरापंथ महिला मंडल ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति संस्था-संस्कार और संस्कृति से जोड़कर कैसे हम रहे, विषय पर सुंदर प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के संचालन में कोषाध्यक्ष श्रीमती पूनम छाजेड़, सहमंत्री श्रीमती वंदना पगरिया एवं प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती रानी मांडोत का विशेष सहयोग रहा। रा.का.स. **श्रीमती अनिता बरड़िया** ने अभातेमम. की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में संस्कार-सेतु के रूप में जानकारी देते हुए सुंदर प्रस्तुति दी।

तेरापंथ सभा, चैन्नई अध्यक्ष श्री अशोक खतंग ने सभी का स्वागत-अभिनन्दन करते हुए महिला मंडल की टीम को शानदार कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी। चैन्नई से रा.का.स. **श्रीमती माला कातरेला** एवं **श्रीमती दीपा पारख** ने अपनी कर्मभूमि पर राष्ट्रीय टीम का स्वागत करते हुए कहा कि हम अपने सद् संस्कारों से ही हमारी संस्कृति की रक्षा कर पाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्रीमती सरिता डागा** का परिचय रा.का.स. **श्रीमती माला कातरेला** ने दिया। मुख्य वक्ता श्रीमती वीणा बैद का परिचय स्थानीय उपाध्यक्ष श्रीमती अलका खटेड़ ने एवं मंत्री श्रीमती हेमलता नाहर ने प्रचार-प्रसार मंत्री **श्रीमती सरिता बरलोटा** का परिचय दिया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के प्रचार-प्रसार मंत्री **श्रीमती सरिता बरलोटा,** पूर्व महामंत्री **श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती अनिता बरड़िया,** रा.का.स. **श्रीमती शशिकला नाहर, श्रीमती माला कातरेला, श्रीमती दीपा पारख** की गरिमामय उपस्थिति रही। चैन्नई तेरापंथ सभा अध्यक्ष **श्री अशोक खतंग,** तेयुप अध्यक्ष **श्री संदीप मूथा,** तेरापंथ प्रोफेशनल फोर्म की अध्यक्ष **श्रीमती बबीता चोपड़ा,** साहुकार सभा भवन ट्रस्ट अध्यक्ष **श्री विमल चिपड़,** चैन्नई जैन महासंघ अध्यक्ष **श्री प्यारेलाल पितलिया** एवं अनेक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन मंत्री श्रीमती हेमलता नाहर और द्वितीय सत्र का संचालन उपाध्यक्ष श्रीमती रीमा सिंघवी ने किया एवं आभार ज्ञापन क्रमशः श्रीमती कंचन भंडारी एवं श्रीमती उषा धोका ने किया। कार्यशाला के सफल आयोजन में संयोजिका श्रीमती रीमा सिंघवी, श्रीमती अलका खटेड़, श्रीमती कंचन भंडारी, श्रीमती उषा धोका, श्री राजेश खटेड़ (उत्सव इवेंट) एवं तेमम, चैन्नई की पूरी टीम का श्रम मुखर रहा एवं समाज की संस्थाओं के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

संरक्षणम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, बीकानेर द्वारा आंचलिक स्तरीय 'संरक्षणम्' कार्यशाला का आयोजन

11 नवम्बर, 2024, बीकानेर।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, बीकानेर द्वारा बीकानेर स्तरीय आंचलिक कार्यशाला 'संरक्षणम्' का आयोजन शासनश्री साध्वीश्री मंजूप्रभाजी के सान्निध्य में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने की। इस कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में किया गया। साध्वीश्रीजी के नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का आगाज हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा द्वारा 'संरक्षणम्' लोगो (Logo) का अनावरण किया गया। तेरापंथ महिला मंडल, बीकानेर द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती दीपिका बोथरा ने पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया। सभा अध्यक्ष श्री सुरपतचन्द बोथरा ने सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार रखे। रा.का.स. श्रीमती मंजू भूतोड़िया ने साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के संदेश का वाचन किया। अभातेममं. बीकानेर की क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती ममता रांका ने संरक्षणम् पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ट्रिपल आई अपने साथ रखे। तेममं, बीकानेर ने संस्कृति, संस्कार, संबंध, संस्था सौहार्द एवं सम्यकत्व की सुंदर प्रस्तुति न्यूज चैनल संरक्षणम् आजतक के रूप में दी। बीकानेर की महापौर श्रीमती सुशीला कंवर ने कहा कि संरक्षणम् बहुत जरूरी है, ऐसे विषयों पर कार्यशाला रखना बहुत सार्थक होता है। हम केवल पुरातन इमारतों का संरक्षण न करें बल्कि हमारी असली विरासत हमारी संस्कृति व संस्कार है, उनका संरक्षण करे।

समणी कुसुमप्रज्ञाजी ने फरमाया कि एक महिला ही ऐसी शक्ति है जो जन्म से संस्कार दे सकती है। साध्वी गुरुयशाजी ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि आजकल जो रिश्ते बिखर रहे है तो उनको कैसे संभाला जाए, संवारा जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने संभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आजकल की युवा पीढ़ी डायरेक्ट कोई बात नहीं समझते, उन्हें कुछ तर्क देकर समझाया जाए तो वह जरूर समझेंगे। जिस तरह हम मोबाइल में अतिरिक्त संवाद स्टोरेज हो जाने से हम उन्हें डिलीट करते हैं ठीक उसी तरह हमें हमारे मस्तिष्क में भी समावेषित अतिरिक्त बातों को तुरंत डिलीट कर देना चाहिए। हमारे संस्कार एवं संस्कृति की सुरक्षा करना एवं उनका संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य होना चाहिए। शासनश्री साध्वीश्री मंजूप्रभाजी ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि इन कार्यशालाओं के माध्यम से महिलाओं में विचारों का आदान-प्रदान होता है। नारी समाज की संरक्षिका है, उनसे परिवार की शोभा है। नारी के बुलंद हौंसलों को देखकर सारी दुनिया उनको सलाम करती है। नारी संस्कारों की जननी होती है।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में रा.का.स. श्रीमती अर्चना भंडारी ने **Gratitude** विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया, रा.का.स. श्रीमती नीरू पुगलिया ने अभातेममं. द्वारा संचालित संस्कार सेतु योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं रा.का.स. श्रीमती नीलिमा बैद ने स्कूल संरक्षण के विषय में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में समागत तेममं लूणकरणसर, नोखा, भीनासर, देशनोक, जोरावरपुरा, उदासर, कालू, गंगाशहर आदि क्षेत्रों ने संरक्षणम् विषयागत रोचक प्रस्तुति दी। कन्या मंडल, बीकानेर ने लघु नाटिका द्वारा प्रेरक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन क्रमशः श्रीमती सुषमा भूरा एवं मंत्री श्रीमती रेणु बोथरा ने किया एवं आभार ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती रेणु बोथरा एवं उपमंत्री श्रीमती नीतू रामपुरिया ने किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के मार्गदर्शन में 'लक्ष्य' कार्यशाला का आयोजन

13 नवम्बर, 2024, सूरत।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में एवं साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के मार्गदर्शन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल, सूरत द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर लक्ष्य कार्यशाला का बैनर अनावरण करते हुए आगाज कॉन्फ्रेंस हॉल, संयम विहार में किया गया। कार्यशाला का प्रारंभ मंडल की बहिनों के द्वारा मंगलाचरण से किया गया तत्पश्चात मंडल की अध्यक्ष श्रीमती चंदा भोगर ने अपने स्वागत वक्तव्य में सभी का स्वागत किया।

साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने लक्ष्य कार्यशाला का आगाज करते हुए फरमाया– लक्ष्य दो प्रकार के होते हैं, व्यक्ति शॉर्ट टर्म लक्ष्य बनाकर अपनी मंजिल, गोल तक पहुँच जाता है। मुझे वो कार्य करना है जो मेरी आत्मा को निर्मल बनाये, उसके पैर ठिठुर जाते हैं जिसने छोटा लक्ष्य बनाया है, लक्ष्य आधुनिक भले हो, लेकिन अध्यात्म का पुट साथ में अवश्य हो, तभी हम सही दिशा में गति कर सकते हैं। समणी मधुरप्रज्ञाजी ने लक्ष्य को परिभाषित करते हुए बताया कि हम वे संकल्प लें जिन्हें हम नियत समय पर पूरा कर सके। उनकी योजना बनाएं एवं लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिशा, समर्पण, दृढ़ निश्चय और अनुशासन जरूरी है। तेमम, सूरत की बहिनों द्वारा **Vision Towards A New Era** विषय पर रोचक प्रस्तुति दी गई। अभातेमम ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी है। कार्यशाला का संचालन स्थानीय पूर्वाध्यक्ष डॉ. पूनम गुजरानी ने किया। कार्यशाला में ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, रा.का.स. श्रीमती मधु देरासरिया, श्रीमती पूर्णिमा गादिया, श्रीमती श्रेया बाफना, परामर्शिका श्रीमती प्रकाश बाई तातेड़ एवं श्रीमती लता जैन की गरिमामय उपस्थिति के साथ-साथ स्थानीय मंडल की लगभग 400 बहिनों की उपस्थिति रही। आभार ज्ञापन स्थानीय सहमंत्री श्रीमती ज्योति पटावरी ने किया। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन में स्थानीय सहसंयोजिका श्रीमती सरिता डागा एवं श्रीमती प्रमिला दूगड़ के साथ-साथ तेमम की बहिनों का अच्छा श्रम रहा।

20 नवम्बर, 2024, उधना।

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में एवं साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के मार्गदर्शन में अभातेमम. के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल, उधना द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर लक्ष्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी द्वारा नमस्कार महामंत्र के मंगल उच्चारण से हुआ। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने प्रेरणा पाथेय देते हुए फरमाया कि लक्ष्य आधुनिक भले हो लेकिन अध्यात्म का पुट साथ में अवश्य हो तभी हम सही दिशा में गति कर सकते है। हमें आधुनिकता की चकाचौंध में अपने संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए। हमें अपनी पुरानी परम्पराओं को संजीवित करते हुए अपने मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारम्भ में महिला मंडल की बहिनों द्वारा मंगलाचरण किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सोनू बाफना द्वारा स्वागत वक्तव्य तत्पश्चात अभातेमम. राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, पूर्व महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया एवं गुजरात प्रभारी श्रीमती श्रेया बाफना ने अपनी अभिव्यक्ति दी।

राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी, रा.का.स. श्रीमती राखी बैद एवं श्रीमती पूर्णिमा गादिया की गरिमामयी उपस्थिति रही एवं उधना महिला मंडल की नवयुवतीबहिनों द्वारा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए **Back to Roots** की अहमियत को समझाते हुए शब्द चित्र की प्रस्तुति दी गई। कार्यशाला में उधना महिला मंडल के संरक्षिका, परामर्शक, पूर्वाध्यक्ष, पदाधिकारी, मंडल की कार्यकारिणी बहिनें और लगभग 342 सदस्य बहिनों की उपस्थिति रही। कार्यशाला में उधना के आसपास के क्षेत्र में सूरत, सचिन, लिंबायत, पर्वत पाटिया, बारडोली की बहिनों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन महिला मंडल मंत्री श्रीमती नीलम डांगी एवं आभार ज्ञापन महिला मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती महिमा चौरड़िया के द्वारा किया गया।

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्वविज्ञ परीक्षा परिणाम

ज्ञान अपने आप में एक ज्योति है। उसके द्वारा अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाया जा सकता है। ज्ञानार्जन भी एक साधना होती है। ज्ञान ग्रहण करने वाला और ज्ञान प्रदाता दोनों परिश्रमी हो तो ज्ञान विकसित हो सकता है। तत्वविज्ञ की परीक्षा 24 व 27 अगस्त, 2024 को देश के 52 केन्द्रों पर आयोजित हुई। 160 परीक्षार्थियों ने फॉर्म भरे व कुल 128 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। सभी परीक्षार्थियों को बहुत-बहुत बधाई, मंगल कामना। 20 दिसम्बर, 2024 तक आप अपनी उत्तर पुस्तिका के **re-check** के लिए आवेदन कर सकते है। 23 चारित्रात्माओं ने भी परीक्षा दी, उनका रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा।

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन/तत्त्वविज्ञ निर्देशिका श्रीमती पुष्पा बैंगानी एवं राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगानी, डॉ. श्रीमती पुखराज सेठिया, श्रीमती नवीन पींचा व श्रीमती पूनम बैद की श्रमनिष्ठा से ये परीक्षाएं देशभर में सफलतापूर्वक सम्पादित हुई। आपके प्रति हार्दिक आभार। इस उपक्रम में सहयोगी बने सभी शाखा मंडलों एवं व्यवस्थापकों के प्रति हार्दिक आभार। इस उपक्रम के प्रायोजक स्व. श्रीमती रतनी देवी, श्रीमान सुमति जी एवं श्रीमती सुमन जी गोठी परिवार के प्रति हार्दिक आभार।

परीक्षा परिणाम इस प्रकार रहा :

अभातेममं. तत्त्वविज्ञ परीक्षा 2024

चारित्रात्माओं द्वारा

प्रथम वर्ष

नाम	पंजीकरण नं.	सत्र	रोल नं.	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी सार्थक प्रभा	VG5030	2024	5	94.5	98.5	193	प्रथम
साध्वी नैतिक प्रभा	VG5028	2024	3	93	97	190	द्वितीय
साध्वी प्रसिद्ध प्रभा	VG5029	2024	4	87.5	90.5	178	तृतीय
साध्वी चिराग प्रभा	VG5026	2024	1	78.5	93.5	172	विशेष योग्यता
स्ध्वी तरुण प्रभा	VG5031	2024	6	65.5	92.5	158	विशेष योग्यता

द्वितीय वर्ष

नाम	पंजीकरण नं.	सत्र	रोल नं.	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी पल्लव प्रभा (एम. प्रियंका)	VG5020	2023	27	98.5	98.5	197	प्रथम
साध्वी धृति प्रभा	VG5015	2023	22	94.5	99.5	194	द्वितीय
साध्वी रोहिणी प्रभा	VG5023	2023	30	95.5	98.5	194	द्वितीय
साध्वी ऋषि प्रभा	VG5022	2023	29	93	98	191	तृतीय
साध्वी पुष्य प्रभा	VG5021	2023	28	96	94	190	विशेष योग्यता
साध्वी गंभीर प्रभा	VG5016	2023	23	95	92	187	विशेष योग्यता
साध्वी निर्णय प्रभा	VG5019	2023	26	90.5	96.5	187	विशेष योग्यता
साध्वी अनन्य प्रभा	VG5014	2023	21	88.5	95.5	184	विशेष योग्यता
समणी शशि प्रज्ञा	VG5025	2023	32	83.5	82.5	166	विशेष योग्यता
साध्वी श्री नीति प्रभा	VG5009	2022	33	65.5	45.5	111	द्वितीय श्रेणी

तृतीय वर्ष

नाम	पंजीकरण नं.	सत्र	रोल नं.	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी प्रशांत यशा	VG5012	2022	48	98	100	198	प्रथम
साध्वी कर्त्तव्य यशा	VG5006	2022	43	98	96	194	द्वितीय
साध्वी लोकोत्तर प्रभा	VG5007	2022	44	97	95	192	तृतीय
साध्वी ओजस्वी प्रभा	VG5010	2022	47	91	96	187	विशेष योग्यता
साध्वी प्रवीण प्रभा	VG5013	2022	49	82.5	91.5	174	विशेष योग्यता
साध्वी परम प्रभा (डॉ.)	VG5011	2022	46	85	87	172	विशेष योग्यता
साध्वी गुप्ति प्रभा	VG5005	2022	42	82.5	76.5	159	विशेष योग्यता
साध्वी चारू लता	VG5004	2022	41	49	74	123	प्रथम श्रेणी

परिणाम : श्रावक-श्राविका समाज

तत्त्वविज्ञ 2024 प्रथम वर्ष परीक्षा

नाम	पंजीकरण नं.	सत्र	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
सीमा दुगड़	Vg266	2023	सी-स्कीम, जयपुर	88	97.5	99.5	197	प्रथम
सुमित्रा बैंगानी	Vg247	2024	मुम्बई कांदावली	43	97.5	97.5	195	द्वितीय
संतोष वेदमूथा	Vg263	2024	हुबली	85	94	100	194	तृतीय
अनिता नाहर	VG296	2024	सिंधनूर	157	98	96	194	तृतीय
प्रियंका सुराणा	VG298	2024	सिंधनूर	159	97.5	94.5	192	विशेष योग्यता
जया बोथरा	VG286	2024	पूर्वांचल कोलकाता	137	91	99	190	विशेष योग्यता
सुमन आंचलिया	VG245	2024	दक्षिणी कोलकाता	38	90	97	187	विशेष योग्यता
शीतल सिंघवी	VG280	2024	मुम्बई (घाटकोपर)	122	92	95	187	विशेष योग्यता
मंजू बोराड़	VG274	2024	श्रीगंगानगर	112	86	99	185	विशेष योग्यता
चंदा कोठारी	VG281	2024	मुम्बई भयंदर	123	85	100	185	विशेष योग्यता
सुनीता बोथरा	VG282	2024	मुम्बई भयंदर	124	84.5	97.5	182	विशेष योग्यता
शांति बांठिया	VG244	2024	दक्षिणी कोलकाता	37	84.5	96.5	181	विशेष योग्यता
सुशीला जैन	VG279	2024	जिंद	120	78.5	99.5	178	विशेष योग्यता
वंदना एन. दरला	VG242	2024	चैन्नई	17	79	98	177	विशेष योग्यता
नेहा कोठारी	VG231	2024	अहमदबाद	1	77	99	176	विशेष योग्यता
प्रमिला वी. कोठारी	VG232	2024	अहमदाबाद	2	75.5	99.5	175	विशेष योग्यता
विमला गोलेछा	VG273	2024	बालोतरा	103	80.5	94.5	175	विशेष योग्यता
डिंपल जीरावला	VG297	2024	सिंधनूर	158	93	82	175	विशेष योग्यता
सुमन राखेचा	VG246	2024	मुम्बई कांदीवली	42	90	81	171	विशेष योग्यता
बिंदु गोयल	VG275	2024	जिंद	116	76.5	94.5	171	विशेष योग्यता
सुनीता कोटेचा	VG290	2024	दक्षिणी हावड़ा	143	71.5	97.5	169	विशेष योग्यता
प्रभा बाफना	VG238	2024	चैन्नई	13	70.5	97.5	168	विशेष योग्यता
रेखा आर. समदड़िया	VG239	2024	चैन्नई	14	68.5	98.5	167	विशेष योग्यता
हेमा कच्छारा	VG285	2024	वापी	132	73	93	166	विशेष योग्यता

संतोष बैद	VG265	2023	सी-स्कीम, जयपुर	87	79	86	165	विशेष योग्यता
पुष्पा सेठिया	VG289	2024	दक्षिणी हावड़ा	142	73	92	165	विशेष योग्यता
कांता मित्तल	VG276	2024	जिंद	117	86	75	161	विशेष योग्यता
लीला सिंघी	VG255	2024	गंगाशहर	71	69.5	89.5	159	विशेष योग्यता
शोभा देवी डागा	VG272	2024	बालोतरा	102	74.5	83.5	158	विशेष योग्यता
कविता मेड़तवाल	VG235	2024	चैन्नई	10	56.5	97.5	154	विशेष योग्यता
कुसुम बैद	VG283	2024	मुम्बई कांदीवली	125	59.5	91.5	151	विशेष योग्यता
सरला सेठिया	VG240	2024	चैन्नई	15	56	93	149	प्रथम श्रेणी
किरण मूथा	VG236	2024	चैन्नई	11	57.5	87.5	145	प्रथम श्रेणी
रेखा बाफना	VG233	2024	अहमदाबाद	3	48	93	141	प्रथम श्रेणी
प्रेमलता भंसाली	VG251	2024	जोधपुर	54	67	74	141	प्रथम श्रेणी
मीना जैन	VG278	2024	जिंद	119	54.5	85.5	140	प्रथम श्रेणी
अर्चना धाड़ेवा	VG234	2024	बंगलूरू	5	54	81	135	प्रथम श्रेणी
मंजू मारलेचा	VG237	2024	चैन्नई	12	48.5	73.5	122	प्रथम श्रेणी
विक्टोरिया बैद	VG291	2024	दक्षिणी हावड़ा	144	48.5	73.5	122	प्रथम श्रेणी
कविता बाफना	VG299	2024	चित्रदुर्ग	160	47.5	73.5	121	प्रथम श्रेणी
कुणाल मित्तल	VG277	2024	जिंद	118	49	56	105	द्वितीय श्रेणी

तत्त्वविज्ञ 2024 द्वितीय वर्ष परीक्षा

नाम	पंजीकरण नं.	सत्र	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
राजुल मनोत	VG190	2023	दिल्ली	28	98	99	197	प्रथम
रेखा सांकलेचा	VG196	2023	हैदराबाद	61	99	94	193	द्वितीय
चंदा दूगड़	VG214	2023	वापी	133	95.5	96.5	192	तृतीय
शालिनी लूंकड़	VG219	2023	सलेम	152	94.5	97.5	192	तृतीय
समता रांका	VG182	2023	बंगलूरू	6	91.5	99.5	191	विशेष योग्यता
विमला कोचर	VG198	2023	गुवाहाटी	67	93.5	97.5	191	विशेष योग्यता
मंजू छाजेड़	VG038	2021	दक्षिणी कोलकता	39	93.5	96.5	190	विशेष योग्यता
रेखा बाफना	VG185	2023	चैन्नई	20	98	91	189	विशेष योग्यता
गुणवंती एस. दूगड़	VG183	2023	चैन्नई	18	96	92	188	विशेष योग्यता
मीना कर्नावट	VG211	2023	नाथद्वारा	126	93.5	94.5	188	विशेष योग्यता
आरती सांखला	VG200	2023	भुसावल	69	87.5	99.5	187	विशेष योग्यता
सुनीता पुगलिया	VG204	2023	गंगाशहर	78	94.5	92.5	187	विशेष योग्यता
राखी डागा	VG184	2023	चैन्नई	19	89.5	96.5	186	विशेष योग्यता
अंजू बोरदिया	VG221	2023	सूरत	47	96.5	89.5	186	विशेष योग्यता
रेणु बांठिया	VG226	2023	सूरत	50	98	88	186	विशेष योग्यता
आशा चोपड़ा	VG207	2023	बालोतरा	104	91	95	186	विशेष योग्यता
शिल्पा दुगड़	VG187	2023	चैन्नई	21	94	91	185	विशेष योग्यता

रंजू बैद	VG195	2023	हैदराबाद	60	94	90	184	विशेष योग्यता
संजू लालानी	VG203	2023	गंगाशहर	77	88	95	183	विशेष योग्यता
सुषमा सालेचा	VG089	2021	बालोतरा	105	90.5	91.5	182	विशेष योग्यता
एकता कच्छारा	VG215	2023	वापी	134	91.5	90.5	182	विशेष योग्यता
हेमा भंसाली	VG188	2023	कोयंबटूर	26	90.5	90.5	181	विशेष योग्यता
रेखा महनोत	VG209	2023	उदासर	121	93.5	86.5	180	विशेष योग्यता
कैलाश हिरण	VG213	2023	वसई पालघर	131	82	98	180	विशेष योग्यता
हेमा मेहता	VG216	2023	वापी	135	89.5	88.5	178	विशेष योग्यता
गीता राठोड़	VG222	2023	सूरत	48	82	92	174	विशेष योग्यता
सीमा जे. डांगी	VG227	2023	उधना	94	74.5	92.5	167	विशेष योग्यता
संगीता दूगड़	VG048	2021	दिल्ली	29	82.5	83.5	166	विशेष योग्यता
कंचन बैद	VG220	2023	कोलकाता टोलीगंज	153	76.5	87.5	164	विशेष योग्यता
मनीषा सेठिया	VG225	2023	सूरत	49	84	77	161	विशेष योग्यता
किरण बरमेचा	VG199	2023	तेजपुर	128	79	82	161	विशेष योग्यता
मनीषा पोरवाल	VG197	2023	उदयपुर	63	77	83	160	विशेष योग्यता
प्रियंका सामोता	VG212	2023	नाथद्वारा	127	78.5	80.5	159	विशेष योग्यता
कनक गोलेछा	VG201	2023	गंगाशहर	75	78.5	79.5	158	विशेष योग्यता
राखी चोरड़िया	VG202	2023	गंगाशहर	76	66.5	88.5	155	विशेष योग्यता
ज्योति चोरड़िया	VG169	2022	दक्षिणी हावड़ा	146	51.5	85.5	137	प्रथम श्रेणी
रेखा बैंगानी	VG172	2022	दक्षिणी हावड़ा	147	51.5	81.5	133	प्रथम श्रेणी
अंजना गोखरू	VG149	2022	आसींद	96	49	83	132	प्रथम श्रेणी
वनिता बाफना	VG139	2022	राजसमंद	55	58	56	114	द्वितीय श्रेणी
उषा सिरोहिया	VG230	2023	सूरत	51	48.5	55.5	104	द्वितीय श्रेणी
सीमा एम. डांगी	VG228	2023	उधना	95	49.5	46.5	96	द्वितीय श्रेणी

तत्त्वविज्ञ 2024 तृतीय वर्ष परीक्षा

नाम	पंजीकरण नं.	सत्र	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
भारती गादिया	VG174	2022	बंगलूरू	8	98.5	99.5	198	प्रथम
माधुरी बाबेल	VG170	2022	दक्षिणी हावड़ा	149	98	99	197	द्वितीय
शांति सुराणा	VG118	2021	दक्षिणी हावड़ा	151	98.5	98.5	197	द्वितीय
निशा गर्ग	VG127	2022	दिल्ली	31	98.5	95.5	194	तृतीय
सरिता चोपड़ा	VG129	2022	दिल्ली	32	95.5	97.5	193	विशेष योग्यता
सुनीता लोढ़ा	VG073	2021	किशनगंज	68	93.5	99.5	193	विशेष योग्यता
अंजना सांकलेचा	VG153	2022	बालोतरा	106	92.5	99.5	192	विशेष योग्यता
ए. दीपाली सेठिया	VG122	2022	चैन्नई	22	89.5	99.5	189	विशेष योग्यता
दिनेश बाला जैन	VG131	2022	जयपुर टॉउन	35	90	97	187	विशेष योग्यता

वीणा भांडिया	VG130	2022	जयपुर टॉउन	34	94.5	91.5	186	विशेष योग्यता
भारती सांकलेचा	VG156	2022	इचलकरणजी	113	89.5	96.5	186	विशेष योग्यता
पुष्पा मिन्नी	VG071	2021	सरदारशहर	64	92.5	92.5	185	विशेष योग्यता
सुनीता पी. चोरड़िया	VG158	2022	इचलकरणजी	115	89	96	185	विशेष योग्यता
सुबोध सेठिया	VG125	2022	चैन्नई	24	97.5	85.5	183	विशेष योग्यता
शारदा छाजेड़	VG144	2022	गंगाशहर	80	85	98	183	विशेष योग्यता
पुर्णिमा चोरड़िया	VG066	2021	विजयनगर बंगलूरू	136	86.5	96.5	183	विशेष योग्यता
राजुला मादरेचा	VG137	2022	राजसमंद	56	91	91	182	विशेष योग्यता
ममता के. गोलेछा	VG083	2021	बालोतरा	108	88.5	93.5	182	विशेष योग्यता
ममता एन. गोलेछा	VG084	2021	बालोतरा	109	93	88	181	विशेष योग्यता
कविता जी. सोनी	VG123	2022	चैन्नई	23	82.5	94.5	177	विशेष योग्यता
गणपति देवी दूगड़	VG165	2022	उत्तर हावड़ा	141	86.5	89.5	176	विशेष योग्यता
रेखा सांकलेचा	VG086	2021	बालोतरा	110	82.5	92.5	175	विशेष योग्यता
मनीषा सेठिया	VG024	2021	दिल्ली	30	78.5	95.5	174	विशेष योग्यता
चंदा डूंगरवाल	VG181	2022	छोटी खाटू	66	79.5	93.5	173	विशेष योग्यता
कविता सालेचा	VG154	2022	बालोतरा	107	76	96	172	विशेष योग्यता
सुनीता रायसोनी	VG126	2022	चैन्नई	25	82.5	88.5	171	विशेष योग्यता
अनिता सुराणा	VG164	2022	उत्तर हावड़ा	140	78.5	92.5	171	विशेष योग्यता
पारसमल मेहता	VG157	2022	इचलकरणजी	114	86.5	82.5	169	विशेष योग्यता
सरला छाजेड़	VG043	2021	दक्षिणी कोलकाता	41	71.5	95.5	167	विशेष योग्यता
रक्षा बोथरा	VG143	2022	गंगाशहर	79	76.5	90.5	167	विशेष योग्यता
रुपाली गेलड़ा	VG147	2022	शहादा	92	77.5	89.5	167	विशेष योग्यता
चन्द्रकला कोचर	VG168	2022	दक्षिणी हावड़ा	148	85	79	164	विशेष योग्यता
विनोद सुराणा	VG180	2022	लुधियाना	62	79.5	82.5	162	विशेष योग्यता
मनीषा सुराणा	VG171	2022	दक्षिणी हावड़ा	150	85.5	74.5	160	विशेष योग्यता
संगीता सिसोदिया	VG176	2022	बंगलूरू	9	77.5	80.5	158	विशेष योग्यता
विमला सांकलेचा	VG155	2022	बालोतरा	111	75.5	81.5	157	विशेष योग्यता
विजया बैद	VG033	2021	दिल्ली	33	84.5	68.5	153	विशेष योग्यता
शीला मादरेचा	VG138	2022	राजसमंद	57	83.5	67.5	151	विशेष योग्यता
सुशीला गोखरू	VG152	2022	आसींद	99	65	81	146	प्रथम श्रेणी
चंदा सुराणा	VG132	2022	दक्षिणी कोलकाता	40	53.5	86.5	140	प्रथम श्रेणी
चेष्टा सुराणा	VG142	2022	औरंगाबाद	65	64	75	139	प्रथम श्रेणी
आशा बाफना	VG150	2022	आसींद	97	45.5	89.5	135	प्रथम श्रेणी
वंदना खटेड़	VG148	2022	शाहदा	93	59.5	71.5	131	प्रथम श्रेणी
लीला सालेचा	VG135	2022	मुम्बई कांदीवली	44	42.5	62.5	105	द्वितीय श्रेणी
मनीषा सुराणा	VG179	2022	कोयंबटूर	27	40	53	93	द्वितीय श्रेणी

अभातेममं. परिवार की ओर से हार्दिक बधाई, मंगल कामना।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत

माह अक्टूबर में श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में सभी क्षेत्रों ने उत्साह-उमंगपूर्वक सहभागिता दर्ज करवायी है। भविष्य में भी इसी रूप में उत्साह प्रदर्शित करते हुए अन्य शाखाएं भी इस महायज्ञ में अपनी आहूति देते हुए अध्यात्म की राह में प्रशस्त होंगे, ऐसा पूर्ण विश्वास है। सभी क्षेत्रों के प्रति खूब-खूब साधुवाद। श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में संबद्ध होने वाली शाखाओं की सूची नीचे दी गई है।

श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में आगामी दिसम्बर व जनवरी माह के तारीख आरक्षण हेतु **Google Form link:**
https://forms.gle/R7C4NvSVARGA2XebA

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें- संयोजिका: श्रीमती नीतू बैद, मो. 9924180371.

श्रृंखलाबद्ध पौषध करने वाले क्षेत्रों की सूची-

दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध	दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध
1 अक्टूबर, 2024	सूरत	40	15 अक्टूबर, 2024	उदयपुर	15
1 अक्टूबर, 2024	चास बोकारो	2	16 अक्टूबर, 2024	मध्य कोलकाता	6
2 अक्टूबर, 2024	वापी	69	17 अक्टूबर, 2024	वीरगंज	7
3 अक्टूबर, 2024	विजयनगरम	4	18 अक्टूबर, 2024	गाँधीनगर बंगलूरू	12
4 अक्टूबर, 2024	बोरीवली	27	19 अक्टूबर, 2024	हैदराबाद	34
5 अक्टूबर, 2024	भुज कच्छ	10	20 अक्टूबर, 2024	राजराजेश्वरी बंगलूरू	5
6 अक्टूबर, 2024	कोटा	8	21 अक्टूबर, 2024	जलगाँव	119
6 अक्टूबर, 2024	अहमदाबाद	45	22 अक्टूबर, 2024	उत्तरपाड़ा	13
7 अक्टूबर, 2024	सेमड	32	23 अक्टूबर, 2024	दिल्ली पश्चिम	7
8 अक्टूबर, 2024	गंगाशहर	36	24 अक्टूबर, 2024	वाराणसी	3
9 अक्टूबर, 2024	मीरा रोड	9	25 अक्टूबर, 2024	लाडनूं	6
10 अक्टूबर, 2024	नाथद्वारा	17	26 अक्टूबर, 2024	साउथ दिल्ली	1
10 अक्टूबर, 2024	उधना	13	27 अक्टूबर, 2024	जोधपुर सरदारपुरा	7
11 अक्टूबर, 2024	टी. दासरहल्ली	13	28 अक्टूबर, 2024	अंकलेश्वर	3
12 अक्टूबर, 2024	चिकमंगलूर	23	29 अक्टूबर, 2024	बीजापुर	7
13 अक्टूबर, 2024	अजमेर	1	30 अक्टूबर, 2024	कांदीवली	5
13 अक्टूबर, 2024	टिटलागढ़	3	31 अक्टूबर, 2024	बालोतरा	25
14 अक्टूबर, 2024	पूर्वांचल कोलकाता	6	सभी बहिनों के प्रति हार्दिक अनुमोदना-साधुवाद।		

भावना सेवा

उपासना का अनुपम अवसर
भावना सेवा

श्रावक के बारह व्रत में एक व्रत है- अतिथि संविभाग व्रत। इस व्रत से जुड़ने वाला व्यक्ति सुपात्र दान का लाभ प्राप्त कर अपने कर्मों की निर्जरा करता है। अभातेमम का एक प्रकल्प भावना सेवा है जिससे जुड़कर मंडल की कई बहिनों ने अतिथि संविभाग व्रत को समझा है और सेवा का अच्छा लाभ भी लिया है। परमपूज्य आचार्य प्रवर की रास्ते की सेवा में, भावना सेवा प्रकल्प में अनेक शाखा मंडल जुड़ते हैं। इस वर्ष यह प्रकल्प 25 नवम्बर, 2024 से प्रारम्भ हो गया है। जो शाखा मंडल इस प्रकल्प के अंतर्गत सेवा देना चाहते हैं, वे संयोजिका से सम्पर्क कर अपनी तिथि आरक्षित करवालें।

संयोजिका : श्रीमती मधु देरासरिया- 9427133069,
श्रीमती शशिकला नाहर- 9741344340, श्रीमती ममता रांका- 9414142924.

Cancer Awareness Programme
December, 2024

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में चल रहे एक वर्षीय **'कैंसर जागरूकता अभियान'** के अंतर्गत हर उस सूक्ष्म विषय एवं बिंदु पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है, जिससे कैंसर होने की संभावना हो सकती है। किस प्रकार हम थोड़ी सी और जागरूकता के साथ अपने जीवन को स्वस्थ रख सकते है। जैसा कि हम सभी अपने आस-पास, अपने घरों में, बाजारों में देखते है कि- अधिकतर लोग अपने खाने को लपेटने के लिए आज भी **Alumunium Foil** या **Newspaper** यानि अखबार का प्रयोग कर रहे हैं।

डॉक्टरों से प्राप्त जानकारी से ये पता चलता है कि खाने को पैक करने के लिए 'न्यूज पेपर' और 'फॉयल पेपर' का इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है एवं कैंसर रोग के उत्पन्न का एक मुख्य कारण भी हो सकता है। आइये- इसे विस्तार से जानें :

1. **न्यूज पेपर का उपयोग क्यों नहीं करना चाहिए?**

* न्यूज पेपर पर उपयोग की गई इंक में हानिकारक रसायन, जैसे- लीड (**Lead**) और कैडमियम (**Cadmium**) होते है। ये रसायन खाने में मिल सकते है जो स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक है।
* **स्वच्छता की कमी :** न्यूज पेपर साफ और स्वच्छ नहीं होते, इसमें धूल, गंदगी और बैक्टीरिया हो सकते है जो खाने को दूषित कर सकते है।
* **फूड सेफ्टी मानकों का उल्लंघन :** न्यूज पेपर का उपयोग फूड पैकिंग के लिए कानूनन भी कई देशों में प्रतिबंधित है, क्योंकि यह स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है।

2. **फॉयल पेपर का उपयोग क्यों नहीं करना चाहिए?**

* **खाने के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया :** फॉयल पेपर (एलुमिनियम) एसिडिक और मसालेदार खाने के साथ प्रतिक्रिया करता है। इससे एलुमिनियम के छोटे कण खाने में घुल सकते है जो शरीर में जमा होकर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते है।

सुरक्षित विकल्प :

* फूड-ग्रेड मैटेरियल्स, बटर पेपर या पार्चमेंट पेपर का इस्तेमाल कर सकते है। फूड-ग्रेड प्लास्टिक बैग या कंटेनर का प्रयोग भी किया जा सकता है। खाने को बटर पेपर में लपेट कर फिर फॉयल पेपर का उपयोग किया जा सकता है।

करणीय कार्य :

सभी शाखा मंडल अपने आसपास के बाजारों या **Road Food Stalls** वालों को निःशुल्क 'फूड ग्रेडिंग पेपर' या पार्चमेंट पेपर का वितरण करे। भिन्न-भिन्न स्थानों पर पोस्टर भी लगाए एवं इसकी विस्तृत जानकारी भी सभी को दे। इस कार्यक्रम (अभियान) से जुड़े पोस्टर आपको अभातेमम. की वेबसाइट पर प्राप्त हो सकेंगे। अन्य किसी भी जानकारी के लिए आप संयोजिका रा.का.स. **श्रीमती अनिता बरड़िया** से मोबाइल **9500464089** पर सम्पर्क कर सकते है।

दीपावली रंगोली प्रतियोगिता

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में अक्टूबर माह के करणीय कार्य में दीपावली पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। देशभर के सभी शाखा मंडलों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर सहभागिता दर्ज कराई। इस प्रतियोगिता में दो विषय दिए गए- 'अनासक्त भावना' और 'स्वच्छता'। दोनों ही विषयों पर हमें बहुत ही सुंदर सारगर्भित रंगोलियाँ प्राप्त हुई। प्रतियोगिता में लगभग 350 प्रतियोगियों ने भाग लिया, जिसमें से प्रत्येक शाखा मंडल से एक ही प्रविष्टि मान्य किए जाने के कारण कुल 121 प्रविष्टि हमारे कार्यालय तक पहुँची। विभिन्न विषयों पर चयनित श्रेष्ठ रंगोली की फोटो नामोल्लेख सहित नीचे दी गई है। हार्दिक बधाई।

सभी चयनित शाखा मंडलों को अभातेममं. की ओर से हार्दिक बधाई, ढेरों शुभकामनाएं। भविष्य में भी आपका साथ, आपका उत्साह यूं ही बना रहे, यही मंगल कामना।

-संयोजिका : श्रीमती प्रीति घोसल

विषय : स्वच्छता रंगोली

प्रथम स्थानः श्रीमती ममता बडाला
डोंबिवली, मुम्बई

द्वितीय स्थानः श्रीमती दिया बैद
गुड़गाँव

तृतीय स्थानः श्रीमती कल्पना विजय गाँधी
बारडोली

विषय : अनासक्त भावना रंगोली

प्रथम स्थानः श्रीमती मनीषा नखत, नागपुर

द्वितीय स्थानः श्रीमती प्रिती कोटा, टिटलागढ़

तृतीय स्थानः श्रीमती प्रियम चौरड़िया, मुलुण्ड, मुम्बई

सांत्वना पुरस्कार

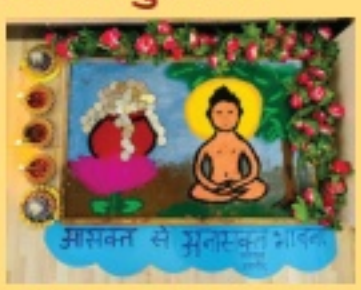

श्रीमती ललिता मेहता, मीरा रोड

श्रीमती नेहा जैन, राउलकेला

श्रीमती रेखा लालानी, भुवनेश्वर

श्रीमती अलका मेहता, पनवेल

श्रीमती खुशबू पटावरी
पूर्वांचल कोलकाता

श्रीमती सृष्टि सेठिया
हुबली

श्रीमती चंचल दूगड़
जयपुर शहर

नारीलोक प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

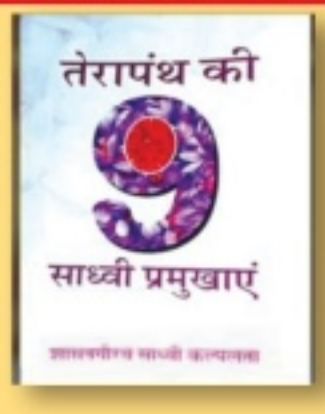

दिसम्बर, 2024

सन्दर्भ पुस्तक : तेरापंथ की 9 साध्वी प्रमुखाएं (पेज संख्या 162 से 188)

निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

1. साध्वीप्रमुखा झमकूजी का संयमी जीवन लगभग कितने वर्ष रहा?
2. कालूगणी के अस्वस्थ होने पर आयुर्वेदाचार्य पंडित रघुनंदनजी ने क्या लेने की सलाह दी?
3. साध्वी लाडांजी ने कौनसी अग्रगण्या साध्वी के संरक्षण में रहकर अपना अच्छा विकास किया?
4. नौ भाई-बहिनों में बालिका लाड का कौनसा नंबर था?
5. स. 1978 में आचार्यश्री कालूगणी का बीदासर में प्रवास था तब संतों में सतरंगी हुई उसी समय साध्वियों में कौनसी तपस्या हुई?
6. लाड की आँख की जाँच के लिए भ्राता चंपक मुनि के साथ कौनसे मुनिश्री को परीक्षक नियुक्त किया गया?
7. हीरालालजी ने साधना की दृष्टि से जब तक दीक्षा न लें तब तक किसका त्याग कर दिया था?
8. साध्वी लाधूजी का सिंघाड़ा 21 थान ग्लास के लेकर कहाँ से आ रहा था?
9. पूज्य कालूगणी जब गंगाशहर पधार रहे थे तबकौनसे श्रावक ने साध्वियों को अपने घर रखाने का आचार्यवर से निवेदन किया?
10. बालिका लाड के ननद का क्या नाम था?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. कभी नियति जीवन में कसौटी का अंधकार फैलाती है तो कभी नियति ही वरदान बनकर जीवन को ..... प्रकाश से प्रकाशित भी कर देती है।
12. नेतृत्व देने वाले वे ही लोग सफलता का वरण करते है जो जनमानस के अनुरूप ..... शैली का उपयोग करना जानते हैं।
13. लाड वैराग्य भावना, दृढ़ संकल्प शक्ति और प्रबल ..... के सहारे अपने लक्ष्य पर अटल बनी रही।
14. असात वेदनीय हमारे अपने बांधे हुए हैं तो ..... से सहन करने का प्रयत्न करना चाहिए।
15. गुरु गण की अपेक्षानुसार जिस व्यक्ति को जहाँ नियोजित करें वहाँ ..... भाव से रहना भी गुरु की सेवा है।
16. चिकित्सा की दृष्टि से ..... शब्द का अर्थ भी उस समय आम आदमी नहीं जानता था?
17. यह सच्चाई है कि अशिक्षित व्यक्ति संयम साधना तो कर सकता है पर ..... के अभाव में संयम साधना में जो निखार आना चाहिए, उससे वंचित रह जाता है।
18. साध्वीप्रमुखा झमकुजी समय-समय पर ..... पर गहरा प्रहार करती थी।
19. भले शैक्ष साध्वियों को सीखाने का काम हो, वृद्ध और बीमार की सेवा का कार्य हो अथवा किसी को सहयोग की अपेक्षा हो, महासती झमकुजी की ..... का दर्शन हर जगह उपलब्ध रहता।
20. यह साध्वीप्रमुखाजी की सेवा भाना और करुणा भरे हृदय का ..... था कि अनगिन व्यक्ति शारीरिक पीड़ा से मुक्त हुए।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : संयोजिका : श्रीमती इन्दिरा लुणिया, कटक
Mob.: 9438368264, E-mail: luniaindira@gmail.com

Google Form submit करने की अन्तिम तिथि : 20 दिसम्बर, 2024

Google Form Link : https://forms.gle/g76yfVm5pH5sGWTL6

नवम्बर, 2024 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

1. गंगापुर	2. मघवागणी	3. संस्कृत	4. श्रीडूंगरगढ़	5. आचार्यश्री तुलसी
6. साध्वी हुलासांजी	7. साध्वीश्री गंगाजी	8. सोलह	9. मंडपिया	10. ढाई साल
11. साधुजनोचित	12. अहोभाग्य	13. प्रतिक्रमण	14. ब्रह्मचारिणी	15. आशीर्वाद
16. धनतेरस	17. कोहिनूर	18. झमकू	19. पंचमी	20. बत्तीसी

नवम्बर, 2024 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. रेखा बाफना, डोम्बीवली ईस्ट	2. पिंकी संकलेचा, अहमदाबाद	3. शालिनी छाजेड़, कटक
4. प्रेम देवी संचेती, हैदराबाद	5. कांता खटेड़, कोलकाता	6. कमला देवी गेलड़ा, चैन्नई
7. गुलाबी महणोत, उदासर	8. आशा जैन, गुड़गांव	9. रेखा जैन, कोटा
	10. रेणु बोथरा, बीकानेर	

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्राप्त अनुदान

अनुदान सूची एवं प्रेरणा दाता

1.	तेरापंथ महिला मंडल, चैन्नई	2,00,000
2.	तेरापंथ महिला मंडल, बीकानेर	51,000
3.	श्रीमती सुनीता–श्रीमान सुधीर जी गंग, जयपुर (भावना सेवा)	31,000
4.	श्रीमती सरोज–श्रीमान विमल जी जैन, मुम्बई (भावना सेवा)	31,000
5.	स्व. श्री हंसराज जी बैंगानी की स्मृति में श्री नरेन्द्र व श्री अभिषेक जतन बैंगानी की ओर से सप्रेम भेंट	31,000
6.	तेरापंथ महिला मंडल, गुड़गाँव	25,000
7.	श्रीमती रूपा अनिल पुगलिया, सूरत	21,000

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं 341 306 (जिला– नागौर, राजस्थान)

श्री नारीलोक

महामंत्री कार्यालय

महामंत्री
नीतू ओस्तवाल
5–0–1&2, आर.सी. व्यास कॉलोनी,
सूर्यांश, मदर टैरेसा स्कूल के पास,
भीलवाड़ा–311001 (राज.)
मो.: 9257011205
secretary@abtmm.org

देखने हेतु
www.abtmm.org
www.facebook.com/abtmmjain/
https://bit.ly/abtmmyoutube

कोषाध्यक्ष कार्यालय

कोषाध्यक्ष
तरुणा बोहरा
203, 204, सांघवी एक्जोटिका,
मराठा कॉलोनी, दहिसर वेस्ट,
मुम्बई–400068
मो.: 8976601717
tarunajain365@gmail.com